an>

Title: Need to take suitable measures to provide succour to folk artists, poets and writers.

श्री ताम्रध्वज साहू (दुर्ग) ः विश्व के नक्शे पर किसी देश की पहचान उसके देश की संस्कृति के कारण होती है। भारत वर्ष की संस्कृति, अपनी समरसता-भाईचारा और सम्मान की रहा है। इस कार्य को जन-जन तक फैलाने का काम कवि, लेखक व लोक-कलाकार प्रारंभ से करते आ रहे हैं। परंतु केंद्र व राज्य सरकार, इनकी ओर ध्यान नहीं देती। सिर्फ प्रशस्ति पत्र व पुरस्कार तक सीमित कर देते हैं।

आज छत्तीसगढ़ प्रदेश के आम लोक-कलाकार, कवि व लेखकों की माली हालत दयनीय है। कई पदम श्री, पदम विभूषण प्राप्त लोक-कलाकार भूखे मर रहे हैं। इलाज के लिए इनके पास पैसे नहीं हैं। राज्य शासन व केंद्र शासन के पास ऐसे सभी लोगों की सूची नहीं है। समाचार पत्र में जब किसी पदम श्री, पदम विभूषण आदि सम्मान प्राप्त व्यक्ति के पास इलाज के लिए पैसे नहीं है या उनके भूखे मरने की खबर छपती है तो देश का इससे बड़ा अपमान नहीं हो सकता।

अतः मैं सरकार से मांग करता हूं कि केंद्र सरकार, राज्य सरकार के माध्यम से तत्काल निश्चित समय-सीमा में सभी प्रकार के लोक-कलाकारों, लेखक व कवियों को चिन्हांकित कर सूची बनायें तथा पात्र व्यक्तियों को भोजन, निवास व इलाज की व्यवस्था करें। साथ ही इन्हें पेंशन की व्यवस्था भी करने की कार्यवाही करें।